

LOK SABHA

Thursday, September 17, 1964/Bhadra  
26, 1886 (Saka).

The Lok Sabha met at Eleven of the  
Clock

[MR. SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

बैंक आफ चाइना

- \*235. { श्री प्रकाशबीर शास्त्री :  
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :  
श्री यशपाल सिंह :  
श्री बी० चं० शर्मा :  
डा० लक्ष्मीमल्ल सिन्धुजी :  
श्री प्र० के० देव :  
श्री सोलंकी :  
श्री हेम बरुआ :  
श्री द्वारका दास मंत्री :  
श्री मणियंगान्नन :  
श्री नवर प्रभाकर :  
श्री रा० बरुआ :

क्या बिस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बैंक आफ चाइना के कृत्यों की जांच पूरी हो चुकी है ;

(ख) यदि हां, तो इस जांच के परिणाम-स्वरूप कौन से तथ्य सामने आये हैं ; और

(ग) क्या इस जांच से यह पता लगा है कि इस बैंक में कुछ राजनीतिक दलों तथा कुछ समाचार पत्रों के सम्पादकों के हिसाब हैं ?

योजना मंत्री (श्री ब० रा० भगत) :

(क) जांच का काम लगभग पूरा हो

चुका है और पता लगा है कि रिपोर्ट तैयार हो रही है ।

(ख) और (ग) . चूंकि रिपोर्ट अभी तक पेश नहीं की गयी, इसलिये इस समय अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि जांच अधिकारी किन परिणामों या निष्कर्षों पर पहुंचे है ।

श्री प्रकाशबीर शास्त्री : श्रीमन्, मैं यह जानना चाहता हूं कि यह जो जांच कार्य बैंक आफ चाइना के सम्बन्ध में किया गया है यह जांच किस तारीख को समाप्त हुई और अब तक उसकी रिपोर्ट प्रकाशित न करने का क्या कारण है ? क्या उस में कुछ राजनीतिक दलों अथवा राजनीतिक व्यक्तियों के नाम सम्मिलित हैं इसलिए सरकार उस को देर से करना चाहती है ?

योजना मंत्री ( श्री ब० रा० भगत) : यह बात सही है कि काफ़ी महीने लग गये हैं रिपोर्ट आने में । किस तारीख को यह जांच कार्य शुरू हुआ यह कई बार दिया जा चुका है । इस समय मेरे पास वह तारीख नहीं है । लेकिन मैं यह मानता हूं कि इस रिपोर्ट को तैयार करने में देर हुई है लेकिन मैं माननीय सदस्य को यह बतलाना चाहता हूं कि इस में कोई राजनीतिक पार्टियां या राजनीतिक विचारों का कोई समावेश नहीं है । देर इसलिए हुई कि बहुत सारे कागजात सब चीनी भाषा में हैं । उनका तर्जुमा कराना था और फिर उस के बाद एकाउंट्स और दूसरे तरीकों को देखना था । उन्होंने कई एकाउंट्स आफिसर्स मांगे थे । एकाउंट्स आफिसर्स हम ने दिये । इन तमाम कारणों से इस में देर हुई है लेकिन जैसा मैंने बतलाया अब ज्यादा देर होने की सम्भावना नहीं है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : लगभग दो वर्ष से यह प्रश्न इस सदन में और दूसरे सदन में भी बराबर उठ रहा है। क्या आप यह आश्वासन आज इस सदन को दे सकेंगे कि इस अधिवेशन में इस जांच के परिणाम को सदन में पेश किया जा सकेगा ?

श्री ब० रा० भगत : इस अधिवेशन में तो नहीं मगर भगले अधिवेशन में मैं कोशिश करूंगा कि इस बारे में जांच के परिणाम प्रकट किये जा सकें।

श्री जगदेव सिंह सिद्धास्त्री : क्या कोई ऐसी सूचना भी सरकार के पास है कि जो पहले सरकार के बड़े उच्च कर्मचारी रहे हैं उन का भी इस बैंक आफ चाइना में कुछ हिसाब मिला है ?

श्री ब० रा० भगत : मेरे पास तो ऐसी कोई खबर नहीं पहुंची है।

श्री यशपाल सिंह : हमारी गवर्नमेंट का हिसाब हर एक जगह अंग्रेजी में मौजूद है। जितने भी बैंक्स हैं उन सब का हिसाब सरकार के पास अंग्रेजी में मौजूद है। सरकार इस बात को साफ करे कि उस में क्या किसी राजनीतिक पार्टी का हाथ है और चलले वक्त कितने हमारे राजनीतिक पार्टियों के मेम्बरान हैं जिनका कि उस में एकाउंट रहा है ?

श्री ब० रा० भगत : यह बात सही है कि जो बैंक की मेजर रिपोर्ट होती है उसे अंग्रेजी में रखने का तरीका है लेकिन चीज यह है कि उन के बहुत सारे एकाउंट्स जिनकी कि छानबीन हो रही है वे एकाउंट्स उन के अपनी चीनी भाषा में ही हैं...

श्री यशपाल सिंह : जितना आपके पास है उसी के प्राधार पर आप बतला दीजिये।

श्री ब० रा० भगत : यह पहले बतलाया जा चुका है कि उस में एकाउंट्स में कोई ऐसी खास बात नहीं है। एक बीकली पेपर जो कि एक राजनीतिक पार्टी से सम्बन्धित है उस का

इस बैंक में एकाउंट था यह इस सदन को बतलाया जा चुका है।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : उस पार्टी का नाम बतला दीजिये ?

श्री ब० रा० भगत : यह नहीं खबर नहीं है। यह कहा जा चुका है कि कम्युनिस्ट पार्टी का जो साप्ताहिक अखबार है उसका एकाउंट इस बैंक में है।

Shri D. C. Sharma: We have been told that the Bank of China had certain code names and ciphers for describing certain institutions or persons. May I know in what way the Government of India has tried to decipher these code names and those ciphers?

Shri B. R. Bhagat: All these matters are the subject matter of the inquiry and what method they will use to decipher all these things is for them to consider.

Dr. L. M. Singhvi: Having deciphered the documents, or most of them, at any rate, is the Minister in a position to say as to who are the individuals who operated the accounts of the Communist Party of India in this Bank?

Shri B. R. Bhagat: I have not got the details. Broadly, as I said, it has been mentioned to the House, I think, more than once that the account in the name of a publishing house was there, that is with affiliations with Communist Party.

Shri Hem Barua: May I know whether it is not a fact that the Government were convinced that the Bank of China was indulging in a number of irregularities, and if so, may I know why the Reserve Bank of India did not function and try to put a check to these irregularities before they grew into such a dimension?

Shri B. R. Bhagat: The Reserve Bank asked it to close down. So, it did function.

Mr. Speaker: He wants to know why action was not taken earlier.

**Shri B. R. Bhagat:** Within the strict meaning of the banking legislation, in regard to the maintenance of accounts and the mode they operate etc. the Reserve Bank did not find any irregularities. That was why a special action was taken; because of the general report that the Bank was acting in a manner prejudicial to the interests of the country, a special action was taken. But in strict banking parlance, it did not violate any regulations under the Banking Acts.

**Shri Surendranath Dwivedy:** May I know whether Government are in a position to deny that the reports still in their possession, after the inquiry made by the Reserve Bank of India show that Mr. Jyoti Basu, the Communist leader of West Bengal had drawn lakhs of rupees from the Bank of China?

**Shri B. R. Bhagat:** All this will come out as a result of the inquiry. So, I am not in a position to affirm or deny anything.

**Shri Surendranath Dwivedy:** Has the hon. Minister got that information with him at the moment or not?

**Shri B. R. Bhagat:** I do not have that information with me now.

**Shri Shashi Ranjan:** According to the Reserve Bank rules, so far as I know, all the banks are supposed to submit their returns to the Reserve Bank. May I know whether the Bank of China also used to submit its returns in the Chinese language? That is my first question. Secondly, . . .

**Mr. Speaker:** Why not be content with the first question only?

**Shri B. R. Bhagat:** It did conform to the rules and submit returns or submit itself to the inspection by the Reserve Bank.

**Shri S. M. Banerjee:** May I know whether the inquiry by the Reserve Bank of India was confined only to certain transactions by the communist daily or the Communist Party mem-

ber, or whether it dealt with other people also? What was the nature of that inquiry?

**Shri B. R. Bhagat:** It went into all the accounts that were there, and not merely a particular account. But, as I said, the inquiry by the Reserve Bank was not enough. So, this particular inquiry which is a much bigger inquiry has been ordered under the powers vested under the Defence of India Rules.

**Shri Ramanathan Chettiar:** May I know whether the Bank has any assets, and if so, whether the assets are under the control of the Reserve Bank of India?

**Shri B. R. Bhagat:** All this will be available after the report, but the Bank has the assets.

**Shri Kapur Singh:** May I know whether Government are in a position to disclose to this House how the Prince of Darkness, in the absence of the Bank of China, ministers to the spiritual needs of His flock in this country?

**Shri B. R. Bhagat:** I am sorry I could not follow the question.

**Mr. Speaker:** Nor have I understood it.

**Shri Kapur Singh:** May I repeat it? Now that the Bank of China is no longer there, are Government in a position to tell this House how the devil helps his flock here?

**An Hon. Member:** It is a conundrum, and not a question.

**Shri Kapur Singh:** It is a very interesting question, and a vital question too.

**Mr. Speaker:** It is interesting. no doubt. But the dictum has come from the other side that it is not a question.

**Shri Kapur Singh:** It is a very good question. I shall paraphrase it for my hon. friend's benefit. Do the Government know, now that the Bank of

China is no longer there, how the Chinese and the international communist movement render assistance to the communists here?

**The Minister of Finance (Shri T. T. Krishnamachari):** It is somewhat beyond my capacity to answer this question.

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** ग्रामी मंत्री महोदय ने बतलाया कि एक साप्ताहिक समाचार पत्र के सम्पादक का उस बैंक में पैसा था तो मैं जानना चाहता हूँ कि उस समाचार पत्र का नाम क्या है और उस के सम्पादक महोदय का नाम क्या है और उस बैंक में उन का कितना एकाउंट था यह भी बतलाने की कृपा करें?

**श्री ब० रा० भगत :** नाम आ चुका है । पहले दिया जा चुका है । मैं ने कहा तो कि वह साप्ताहिक पत्र कम्युनिस्ट पार्टी से संबंधित है ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** मैं उन का नाम पूछना चाहता हूँ ?

**श्री ब० रा० भगत :** नाम मेरे पास यहाँ नहीं है । उन के कई साप्ताहिक पत्र हैं । मुझे इस समय उस साप्ताहिक पत्र का नाम याद नहीं है ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** समाचार पत्र का नाम और उस के सम्पादक महोदय का नाम क्या है और उनका उस बैंक में एकाउन्ट कितना है ?

**अध्यक्ष महोदय :** मंत्री महोदय कहते हैं कि उन के पास इस समय यह सब जानकारी नहीं है ।

#### Survey of Hospitals

+

\*236. { **Shri P. Venkatasubbaiah:**  
**Shri Bagri:**  
**Shri D. N. Tiwary:**  
**Shri P. C. Borooah:**

Will the Minister of Health be pleased to state:

(a) whether Government propose to constitute a Committee to survey the

working of the hospitals in the country;

(b) if so, its terms of reference; and

(c) when the survey will be completed?

**The Minister of Health (Dr. Sushila Nayar):** (a) to (c). The matter is under consideration.

**Shri P. Venkatasubbaiah:** In view of the fact that many of the hospitals being run by local agencies under various governments are in a deplorable condition, in most cases there being dearth of doctors and in all cases insufficiency of medicines, do Government propose to institute an inquiry as immediately as possible to see that there is a unified agency to run hospitals in the country?

**Dr. Sushila Nayar:** Health is a state subject and as such, I do not think it will be possible to bring all the hospitals under a unified agency.

**Shri P. Venkatasubbaiah:** Has any representation been made by any of the State Governments for adequate financial assistance to start hospitals in the rural areas so that the entire population may be covered by health facilities?

**Dr. Sushila Nayar:** The primary health centres are receiving substantial assistance from the Government of India and they are covering the whole of the countryside.

**श्री बागड़ी :** भारत सरकार के द्वारा स्वास्थ्य के बारे में दिल्ली पर जितना खर्च होता है, उतना सारे पंजाब और आंध्रप्रदेश ० पी० पर खर्च होता है । क्या मंत्री महोदय इस बात पर भी विचार करेंगे ?

**डा० सुशीला नायर :** श्रीमन्, जितना पंजाब और ० पी० सरकार मुनासिब समझती है, उतना स्वास्थ्य पर खर्च करती है और जितना भारत सरकार आवश्यक समझती है, और जितना पैसा लगा सकती है, उतना दिल्ली में लगाया जा रहा है ।